web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, रविवार 10 नवंबर 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 42

महत्वपूर्ण एवं खास

झारखंड में चुनाव के बीच आयकर विभाग की बड़ी कार्यवाई, सीएम सोरेन के निजी सचिव के ठिकानों पर छापेमारी

रांची (आरएनएस)। झारखंड में विधानसभा चुनाव के बीच आयकर विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन के निजी सलाहकार सुनील श्रीवास्तव समेत कई अन्य लोगों के ठिकानों पर छापेमारी की है। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक रांची में 7 जबकि लोहनगरी जमशेदपुर के भी कई ठिकानों पर छापेमारी जारी है। सुनील श्रीवास्तव मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निजी सचिव है। इससे पहले 14 अक्टूबर को , जल जीवन मिशन में हुए घोटाला मामले को लेकर परिवर्तन निदेशालय की टीम ने हेमंत सोरेन सरकार के कैबिनेट मिनिस्टर मिथलेश ठाकुर के भाई विनय ठाकुर, निजी सचिव हरेंद्र सिंह समेत विभाग के कई इंजीनियरों के ठिकानों पर छापेमारी की थी। झारखंड में विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया शुरू होने में कुछ ही दिन का समय बचा है। इसी बीच आयकर विभाग ने यह एक्शन लिया है। झारखंड की 81 सीट पर दो चरणों में चुनाव होने हैं। पहले चरण की 43 सीटों के लिए 13 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। इसी के बाद 20 नवंबर को 38 सीटों पर वोटिंग की जाएगी।

पंजाब में ट्रिपल मर्डर...गढ़शंकर में नशा छुड़ाओ केंद्र के पास युवकों पर हमला, तीन की मौत

गढ़शंकर (आरएनएस)। मोरांवाली गांव में बड़ी वारदात देखने को मिली। यहां 2 गुटों में खूनी झड़प हो गई है। इस झड़प में तीन लोगों की मौत हो गई। बताया जाता है कि यह विवाद पुरानी रंजिश को लेकर हुआ। इस विवाद में कई लोग घायल भी हुए हैं। वारदात का जानकारी पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने बयान दर्ज कर लिए हैं। मृतक युवकों की पहचान मनप्रीत सिंह मनी, मुख्त्यार सिंह सुक्खा व शरण के तौर पर हुई है। बताया जा रहा है कि गढ़शंकर स्थित नशा छुडाओ केंद्र के नजदीक युवकों पर हमला करके उन्हें मौत के घाट उतार दिया गया। पुलिस को सूचना मिलते ही वह घटनास्थल पर पहुंची हुई है। वहीं मृतकों के शवों को गढ़शंकर के अस्पताल ले जाया गया है। अधिक विवरण की प्रतीक्षा है।

यूएन में भारत ने एक बार फिर पाक को याद दिलाई हैसियत, बोला- 'जम्मू-कश्मीर हमारा अभिन्न अंग था, है और रहेगा

नई दिल्ली (आरएनएस)। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और हमेशा रहेगा। संयुक्त राष्ट्र में शांति स्थापना अभियानों पर चल रही चर्चा के दौरान जब पाकिस्तान के प्रतिनिधि ने जम्मू-कश्मीर मुद्दे को उठाया तो भारत के राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने तुरंत जवाब दिया। उन्होंने कहा, पाकिस्तान द्वारा की गई टिप्पणियों के जवाब में भारत ने आरओआर (राइट ऑफ रिप्लाई) का इस्तेमाल किया है। पाकिस्तान ने एजेंडे को अनावश्यक रूप से भटकाने की कोशिश की है। हम यह बताना चाहते हैं कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग था, है और रहेगा। त्रिवेदी ने आगे कहा, जम्मू-कश्मीर के लोगों ने हाल ही में अपने इलेक्टोरल अधिकार का प्रयोग किया और एक नई सरकार का चुनाव किया। संयुक्त राष्ट्र के अगस्त फोरम का उपयोग इस प्रकार की गैर-मौलिक और भ्रामक शर्तों का उल्लेख करने में नहीं किया जा सकता है। संयुक्त राष्ट्र में शांति स्थापना अभियानों पर चर्चा के दौरान पाकिस्तान के प्रतिनिधि ने जम्मू-कश्मीर मुद्दे को उठाते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों की भागीदारी 1948 में जम्मू-कश्मीर में शुरू हुई थी। इस दावे को खारिज करते हुए भारत ने स्पष्ट किया कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है और पाकिस्तान का कोई हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सुधांशु त्रिवेदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि यह सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दृढ़ विदेश नीति के कारण संभव हो सका है। उन्होंने कहा कि सरकार अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत को मजबूत और मुखर बना रही है।

छठ पर्व के बाद बिहार से दिल्ली आने वाली ट्रेनों की हालत खराब, शौचालय में बैठकर यात्रा करने को मजबूर लोग

मुजफ्फरपुर | आरएनएस

दिल्ली से दीपावली और छठ पूजा में बिहार गए कामकाजी लोगों का वापसी का दौर शुरू हो गया है। इसी वजह से बिहार से दिल्ली आने वाली ट्रेनों में भीड़ की वजह से पैर रखना मुश्किल हो रहा है। भीड़ की वजह से स्थिति यह है कि लोग ट्रेन के शौचालय में बैठ कर यात्रा कर रहे हैं। बिहार के सहरसा से दिल्ली आने वाली 12553 वैशाली एक्सप्रेस में छठ और दिवाली के लिए घर गए लोगों की वापसी की वजह से शौचालय भी ऊपर तक भरे हुए हैं।

ट्रेनों के शौचालय में खड़े होकर यात्रा कर रहे दिल्ली में चप्पल की फैक्ट्री में काम करने वाले इमरान ने ट्रेन में होने वाली दिक्कत पर बात करते हुए आईएएनएस से कहा, भीड़ की वजह से हम लोगों को यात्रा में बहुत दिक्कत होती है। आलम यह है कि हम सब शौचालय में खड़े होकर 1000 किलोमीटर से ज्यादा का सफर करने को मजबूर हैं। मैं इस ट्रेन पर बरौनी से सफर कर रहा हूं। इसमें बहुत ज्यादा भीड़ है। हम सिर्फ दो दिन के लिए घर आए थे। मेरे साथ ट्रेन के शौचालय में दो महिलाएं और दो बच्चे भी बैठे हैं।

एक अन्य यात्री सूरज कांत झा बताते हैं, हम सहरसा स्टेशन से दिल्ली जा रहे हैं। ट्रेन चलने के बहुत पहले ही स्टेशन पर पहुंच गया था। इतनी ज्यादा भीड़ है। हम लोग एक साल बाद अपने घर आते हैं। इस तरह से जाने में बहुत परेशानी होती है। बैठने में इतनी परेशानी है कि हम लोग भीड़ की वजह से दब गए हैं। सरकार को और ट्रेनें चलानी चाहिए। ट्रेन में इतनी भीड़ नहीं होनी चाहिए।'

दिल्ली जाने के लिए ट्रेन का इंतजार कर रहे एक बुजुर्ग मोहम्मद नूर आलम बताते हैं, मैं हॉलीडे स्पेशल ट्रेन के लिए पिछले 12 घंटे से इंतजार कर रहा हूं। ट्रेन अभी तक नहीं मिली है। ट्रेन रात 10 बजे आने को बताई गई थी। अब 31.5 घंटे लेट बताई जा रही है। मेरी पत्नी दिल की बीमारी से ग्रसित है। ट्रेन न मिलने से मैं बहुत परेशान हूं।

भीड़ की वजह से सीतामढ़ी से आ रहे चंदन सिंह ने अपनी ट्रेन मुजफ्फरपुर जंक्शन पर छोड़ दी। उन्होंने आईएएनएस को बताया, मेरी ट्रेन को कई बार रिशेड्यूल किया गया। अभी भी ट्रेन 31 मिनट लेट है। मैं अपने परिवार को लेकर बहुत परेशान हूं।

मुजफ्फरपुर में आरपीएफ के एक अधिकारी ने बताया, भीड़ के चलते यात्रियों को चढ़ने में कोई दिक्कत न हो इसलिए हमने रस्सी लगा दी है। लोगों को लाइन से जनरल कोच में बिठाया जा रहा है। हमने पूरे स्टेशन एरिया में जवानों को फैला दिया है, जिससे कोई दुर्घटना न हो पाए। हम ड्रोन कैमरे से स्टेशन के चारों तरफ की फुटेज देख रहे हैं। दमकल की गाडिय़ां भी मौके पर बुला ली है। जिससे किसी प्रकार की कोई दुर्घटना न हो। अभी मुजफ्फरपुर से तीन स्पेशल ट्रेनें चल रही हैं। लोगों की सुरक्षा के लिए पुलिस बल बहुत मुस्तैदी से काम कर रहा है।

दो हथियार तस्कर गिरफ्तार, बड़ी संख्या में हथियार और कारतूस बरामद

ग्रेटर नोएडा | आरएनएस

ग्रेटर नोएडा पुलिस ने हथियारों की तस्करी करने वाले दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से बड़ी संख्या में अवैध हथियार और कारतूस बरामद हुए हैं।

आरोपी मेरठ से अवैध हथियारों की खरीद कर उसे एनसीआर के अलग-अलग हिस्सों में सप्लाई किया करते थे और मोटी रकम वसूला करते थे। कई सालों से ये इस काम से जुड़े हुए थे। एनसीआर में इन्होंने कई स्थानों पर अपने सप्लायर भी बना रखे थे। इन तस्करों के पकड़े जाने के बाद पुलिस उन सप्लायरों की भी तलाश कर रही है।

पुलिस ने बताया कि थाना ईकोटेक प्रथम पुलिस ने अवैध शस्त्र सप्लाई करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से भारी मात्रा में अवैध हथियार, मैगजीन, कारतूस और एक गाड़ी बरामद हुई।

पुलिस ने बताया कि 9 नवंबर को थाना ईकोटेक प्रथम पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस व मुखबिर की सूचना पर घरबरा अंडरपास के निकट से अवैध शस्त्र सप्लाई करने वाले दो आरोपी ऋषभ त्यागी और गौरव ठाकुर को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से 6 पिस्टल .32 बोर, 12 मैगजीन और 215 जिंदा कारतूस .32 बोर व घटना में इस्तेमाल एक टीयूवी गाड़ी बरामद हुई।

पुलिस ने बताया है कि पकड़े गए आरोपी शातिर किस्म के अपराधी है, जो मेरठ जनपद से शस्त्र व कारतूस खरीद कर लाते है और दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र में मोटे मुनाफे में उसे बेच देते है। आरोपी ऋषभ की अपने गांव मे पुरानी रंजिश भी चल रही है। इसके कारण वह अपने पास असलहा व कारतूस रखता है। पुलिस इनके नेटवर्क के और लोगों के बारे में भी जानकारी जुटा रही है। इसके साथ-साथ उनके पुराने इतिहास को भी खंगाला जा रहा है। अभी तक की मिली जानकारी के मुताबिक इन दोनों आरोपियों पर एनसीआर के अलग-अलग थानों में तकरीबन 20 से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं।

मंगल के रहस्य होंगे बेपर्दा, नासा के लिए खास सैटेलाइट लगाएगी स्पेसएक्स

नई दिल्ली

एलन मस्क की स्पेसएक्स कंपनी ने मंगल ग्रह पर कदम रखने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने नासा के साथ मिलकर मंगल ग्रह के लिए एक विशेष उपग्रह प्रणाली विकसित करने की घोषणा की है। यह प्रणाली स्टारलिंक की तर्ज पर होगी और मंगल ग्रह पर संचार और डेटा ट्रांसफर को तेजी से बढ़ावा देगी।

स्पेसएक्स मंगल की कक्षा में कई उपग्रह स्थापित करेगी। इन उपग्रहों की मदद से वैज्ञानिक मंगल की सतह का बेहतर अध्ययन कर सकेंगे और ग्रह के बारे में कई नए रहस्य उजागर कर सकेंगे। इसके अलावा, यह प्रणाली मंगल ग्रह पर भविष्य में होने वाले मानव मिशनों के लिए भी बेहद उपयोगी होगी। स्पेसएक्स द्वारा विकसित की जा रही यह प्रणाली धरती और मंगल के बीच उच्च गति से डेटा ट्रांसफर करने में सक्षम होगी। इससे वैज्ञानिक मंगल ग्रह से प्राप्त डेटा का वास्तविक समय में विश्लेषण कर सकेंगे।

एलन मस्क ने खुद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस परियोजना की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य दूर स्थित ग्रहों के साथ डेटा ट्रांसफर की गति को बढ़ाना है। सोशल मीडिया पर लोगों ने इस परियोजना का स्वागत किया है। कई लोगों ने इसे एक साइंस फिक्शन फिल्म जैसा बताया है।

अंतरिक्ष विज्ञान के विशेषज्ञों का मानना है कि यह परियोजना मंगल ग्रह के बारे में हमारे ज्ञान में क्रांति ला सकती है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना न केवल मंगल ग्रह के अध्ययन के लिए बल्कि भविष्य में अन्य ग्रहों के अध्ययन के लिए भी एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी।

पाकिस्तान के क्वेटा रेलवे स्टेशन पर हुए धमाके में लोगों के उड़े चीथड़े

क्वेटा

क्वेटा रेलवे स्टेशन पर एक आत्मघाती विस्फोट में कम से कम 24 लोग मारे गए और 46 घायल हो गए। इस घटना का लाइव वीडियो सामने आया है। बताया जा रहा है कि धमाका इतना जबरदस्त था कि इस घटना में कई लोगों के चीथड़े उड़ गए।

बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में पिछले एक साल में आतंकवाद से जुड़ी घटनाओं में तेजी से बढ़ोतरी देखी गई। यह घटना बलूचिस्तान के मस्तुंग जिले में लड़कियों के स्कूल और अस्पताल के पास हुए बम विस्फोट के एक हफ्ते बाद हुई, जिसमें पांच बच्चों सहित आठ लोगों की मौत हो गई थी।

क्वेटा डिविजनल कमिश्नर हमजा शफकत ने मृतकों की संख्या की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि यह घटना एक आत्मघाती विस्फोट थी। रिपोर्ट के मुताबिक प्रतिबंधित उग्रवादी समूह बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने विस्फोट की जिम्मेदारी ली है। हमजा शफकत ने बताया कि प्रशासन रेल सेवाओं को निलंबित करने के लिए रेलवे अधिकारियों को पत्र लिख रहा है। पाकिस्तान रेलवे ने पहले डेढ़ महीने से अधिक समय तक निलंबन के बाद 11 अक्टूबर से क्वेटा और पेशावर के बीच ट्रेन सेवाओं को बहाल करने की घोषणा की थी।

26 अगस्त को पूरे देश में रेल सेवाएं निलंबित कर दी गई थीं, जब बीएलए द्वारा किए गए विस्फोट में कोलपुर और माच के बीच एक प्रमुख रेलवे पुल नष्ट हो गया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शफकत ने जनता से घायलों के लिए रक्तदान करने की अपील की।

इससे पहले, क्वेटा के सीनियर पुलिस सुपरिटेंडेंट (एसएसपी) ऑपरेशन, मोहम्मद बलूच ने बताया कि उनके द्वारा देखी गई फुटेज के अनुसार, घटनास्थल पर 'करीब 100 लोग' मौजूद थे। उन्होंने कहा कि विस्फोट के समय, जाफर एक्सप्रेस ट्रेन पेशावर के लिए प्लेटफॉर्म से रवाना होने के लिए तैयार थी। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि यह 'निर्दोष लोगों को निशाना बनाने का सिलसिला' है।

एक बयान में उन्होंने कहा, आतंकवादियों के निशाने पर अब निर्दोष लोग, मजदूर, बच्चे और महिलाएं हैं। निर्दोष लोगों को निशाना बनाने वाले लोग दया के पात्र नहीं हैं। बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने विस्फोट की जांच के आदेश दिए हैं।

सिकंदराबाद से शालीमार जा रही एक्सप्रेस ट्रेन के 3 कोच पटरी से उतरे; मची अफरा-तफरी

हावड़ा | आरएनएस

पश्चिम बंगाल के हावड़ा में एक ट्रेन दुर्घटना हुई है। यहां पर सिकंदराबाद से शालीमार की ओर जा रही एक 22850 सिकंदराबाद-शालीमार एक्सप्रेस ट्रेन के कुछ कोच डिरेल हो गए।

पूरी घटना पश्चिम बंगाल के हावड़ा के नवलपुर रेलवे स्टेशन के पास हुई है। यहां पर सिकंदराबाद से शालीमार की ओर जा रही एक एक्सप्रेस ट्रेन के तीन डिब्बे डिरेल हो गए। हालांकि राहत की बात यह है कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

हादसे के बारे में जानकारी देते हुए दक्षिण पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ओमप्रकाश चरण ने फोन पर बताया कि सिकंदराबाद से शालीमार आ रही ट्रेन नवलपुर रेलवे स्टेशन के नजदीक डिरेल हुई है। इसमें तीन कोच है, लेकिन इस घटना में किसी की हताहत होने की अभी तक कोई जानकारी नहीं है।

मीडिया रिपोर्ट की मानें तो पूरी घटना शनिवार सुबह पौने छह बजे के करीब की बताई जा रही है। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल था, हालांकि यात्रियों के मुताबिक ट्रेन की गति सामान्य से कम होने के कारण ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। बस अचानक तेज झटका लगा और ऊपर रखे सामान नीचे गिर गए। ड्राइवर ने ट्रेन को मौके पर रोक दिया।

हादसे के बाद रेलवे अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे, उनके अनुसार सभी हादसे का शिकार हुई 22850 सिकंदराबाद-शालीमार एक्सप्रेस ट्रेन से सभी यात्रियों को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया है। कुछ यात्रियों को हल्की चोटें आई हैं, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

भयानक मौत : ट्रेन की बोगी और इंजन के बीच दबा रेल कर्मचारी

बेगूसराय (आरएनएस)। बिहार के बरौनी जंक्शन पर एक दर्दनाक हादसा हुआ है, जिसमें एक रेलवे कर्मचारी की मौत हो गई है। यह हादसा ट्रेन को शंटिंग में ले जाने के दौरान हुआ। मृतक की पहचान दलसिंहसराय निवासी शंटिंग अमर कुमार राउत (35) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, इंजन को बदलने के दौरान अमर कुमार इंजन और बोगी के बीच घुसकर काम कर रहे थे। इसी दौरान इंजन पीछे हटने लगा और अमर कुमार दब गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, 15204 लखनऊ-बरौनी एक्सप्रेस बरौनी जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर 5 पर रुकी थी। ट्रेन को शंटिंग में ले जाने के लिए इंजन बदला जा रहा था। अमर कुमार इंजन और बोगी के बीच कपलिंग को खोल रहे थे। इसी दौरान इंजन पीछे हटने लगा और अमर कुमार दब गए। मौके पर मौजूद लोगों ने शोर मचाया, लेकिन ड्राइवर इंजन को आगे करने के बजाय भाग गया। अमर कुमार के शव को इंजन और बोगी के बीच से निकालने में करीब 2 घंटे का समय लगा। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में रेलवे कर्मचारी और मृतक के परिजन घटनास्थल पर पहुंच गए। पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक ने इस घटना की जांच के आदेश दिए हैं। जांच में यह पता लगाया जाएगा कि आखिर यह हादसा कैसे हुआ और इसमें किसी की लापरवाही तो नहीं हुई।

कर्नाटक : सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

कलबुर्गी | आरएनएस

कर्नाटक के कलबुर्गी जिले में शनिवार सुबह एक कार और पिकअप वाहन की भिड़ंत हो गई। भीषण सडक़ हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों ने दम तोड़ दिया। स्थानीय पुलिस को इस घटना की सूचना दी गई। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने एक-एक करके चारों शवों को गाड़ी से बाहर निकाला। शवों को पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय अस्पताल भेज दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार, एक ही परिवार के लोग कार में सवार होकर गणगापुर-श्री दत्तात्रेय मंदिर के दर्शन करने जा रहे थे। इसी दौरान, कमलापुरा तालुक में मारगुट्टी क्रॉस के पास सडक़ हादसा हो गया। कार सवार चार लोगों की कार सामने से आ रही एक पिकअप से टकरा गई। इस हादसे में परिवार के चार लोगों की मौत हो गई।

स्थानीय पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान कर ली गई है। इनकी पहचान हैदराबाद निवासी भार्गव कृष्ण (55), उनकी पत्नी संगीता (45), बेटा उत्तम राघवन (28) के तौर पर हुई है। हालांकि, कार चालक की पहचान नहीं हो पाई है। जिसकी सडक़ दुर्घटना में मौत हुई है। ये सभी हैदराबाद के रहने वाले थे और कलबुर्गी के गणगापुर-श्री दत्तात्रेय मंदिर के दर्शन करने जा रहे थे।

सीजेआई चंद्रचूड़ ने बताई सुप्रीम कोर्ट में 'लंबित मामले बढ़ने' की सच्चाई

नई दिल्ली | आरएनएस

भारत के निवर्तमान मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डी.वाई. चंद्रचूड़ ने उनके कार्यकाल में उच्चतम न्यायालय में लंबित मामलों की संख्या बढऩे के बारे में आरोपों के जवाब दिए।

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) द्वारा उनके सम्मान में आयोजित विदाई समारोह में सीजेआई ने कहा कि पिछले दो वर्षों में 1,11,000 मामले दर्ज किए गए, 5,33,000 मामले सूचीबद्ध किए गए और 1,07,000 मामलों का निपटारा किया गया।

उन्होंने कहा, आपने शायद कहीं पढ़ा होगा कि सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामलों की संख्या 82,000 हो गई है। मैं आपको मोटा-मोटी आंकड़े बताना चाहता हूं। नवंबर 2022 से पहले, अपंजीकृत/दोषपूर्ण मामलों को कभी भी सार्वजनिक डोमेन में नहीं रखा गया और उनका हिसाब नहीं रखा गया।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि जब उन्होंने नवंबर 2022 में मुख्य न्यायाधीश का पद संभाला, तो उन्होंने पाया कि रजिस्ट्रार की अलमारी में लगभग 1,500 फाइलें बंद पड़ी थीं।

उन्होंने कहा, मैंने कहा कि इसे बदलना होगा। सिस्टम में आने वाले हर मामले को एक नंबर के साथ टैग किया जाना चाहिए। हमने सभी लंबित मामलों का डेटा सार्वजनिक डोमेन में डालने का फैसला किया, चाहे वह पंजीकृत हो या अपंजीकृत। लंबित मामलों की संख्या 1 जनवरी 2020 को 79,000 थी, जिनमें वे मामले भी शामिल हैं जिन्हें अब हम दोषपूर्ण मामले कहते हैं। यह संख्या 1 जनवरी 2022 को 93,000 तक पहुंच गई। इसके बाद 1 जनवरी 2024 को घटकर 82,000 रह गई। इसलिए इसमें पंजीकृत और अपंजीकृत दोनों तरह के मामले शामिल हैं और दो वर्षों में संख्या में 11,000 की कमी आई है।

सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि शीर्ष अदालत में मामलों के दाखिल होने की संख्या दोगुनी हो गई है और पिछले दो वर्षों में 21,000 जमानत याचिकाएं दायर की गईं, जबकि सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों द्वारा 21,358 जमानत याचिकाओं का निपटारा किया गया।

अपने साथी न्यायाधीशों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि उनके प्रत्येक सहयोगी ने कर्तव्य की सीमा से आगे जाकर काम किया और मुख्य न्यायाधीश के रूप में उनके द्वारा दिए गए कार्य को स्वीकार किया।

देश के सर्वोच्च न्यायिक पद पर दो साल के कार्यकाल के बाद, सीजेआई चंद्रचूड़ 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर 10 नवंबर को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। उन्हें पहली बार 29 मार्च 2000 को बॉम्बे हाई कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने 31 अक्टूबर 2013 से 13 मई 2016 को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत होने तक, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में भी कार्य किया है।

सीजेआई चंद्रचूड़ ने सेंट स्टीफंस कॉलेज, नई दिल्ली से अर्थशास्त्र में ऑनर्स के साथ बीए पास किया और कैंपस लॉ सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय से एलएलबी की पढ़ाई की। जून 1998 में उन्हें बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में नामित किया गया था। उन्होंने 1998 से 2000 तक भारत के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के रूप में भी कार्य किया।

सीजेआई चंद्रचूड़ ने पिछले महीने अपने उत्तराधिकारी के रूप में न्यायमूर्ति संजीव खन्ना के नाम की सिफारिश की थी जिसे केंद्र सरकार ने मंजूरी दे दी। न्यायमूर्ति खन्ना 11 नवंबर देश के 51वें मुख्य न्यायाधीश बनेंगे।